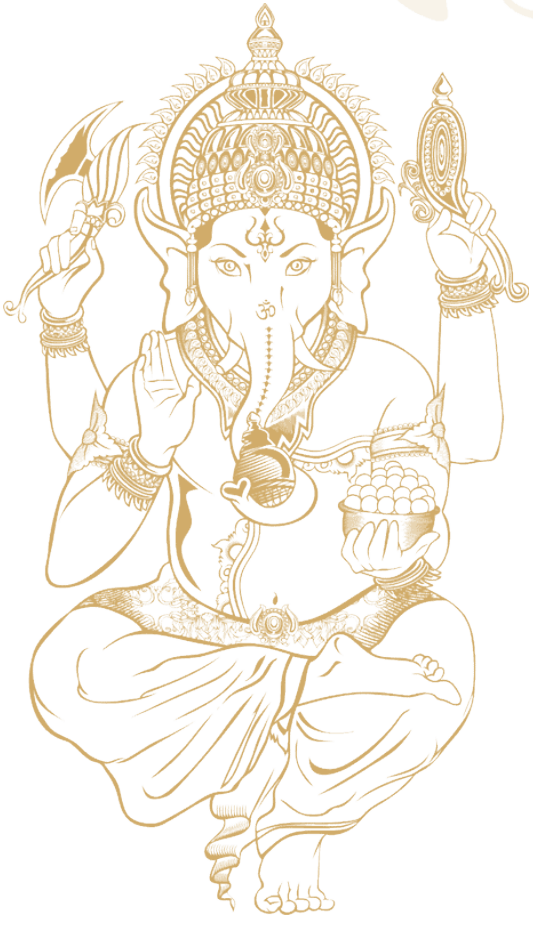

Arvind prajapat

29 Jan 2004

05:23 AM

Balotra

Model: web-freekundliweb

Order No: 121099604

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**28-29/01/2004**
दिन	बुध-गुरुवार
जन्म समय	**05:23:00 घंटे**
इष्ट	54:50:47 घटी
स्थान	**Balotra**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	25:50:00 उत्तर
रेखांश	72:21:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:40:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:42:24 घंटे
वेलान्तर	-00:12:49 घंटे
साम्पातिक काल	13:12:46 घंटे
सूर्योदय	07:26:41 घंटे
सूर्यास्त	18:20:25 घंटे
दिनमान	10:53:44 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	14:29:21 मकर
लग्न के अंश	11:43:41 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	शुभ
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ला-लाखन
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	11:43:41	339:52:21	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
सूर्य			मक	14:29:21	01:00:58	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			मेष	11:40:16	12:00:06	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	सम राशि
मंगल			मेष	02:39:02	00:37:57	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	मूलत्रिकोण
बुध			धनु	22:54:09	01:21:39	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	सम राशि
गुरु	व		सिंह	24:00:12	00:04:38	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	मित्र राशि
शुक्र			कुंभ	23:21:27	01:12:01	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	शनि	मित्र राशि
शनि	व		मिथु	13:42:08	00:03:52	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	बुध	मित्र राशि
राहु	व		मेष	22:42:34	00:00:03	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	22:42:34	00:00:03	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	सम राशि
हर्ष			कुंभ	07:30:49	00:03:15	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	---
नेप			मक	18:47:23	00:02:17	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	27:30:16	00:01:42	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	---
दशम भाव			कन्या	25:47:37	--	चित्रा	--	14	बुध	मंगल	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:39

लग्न-चलित

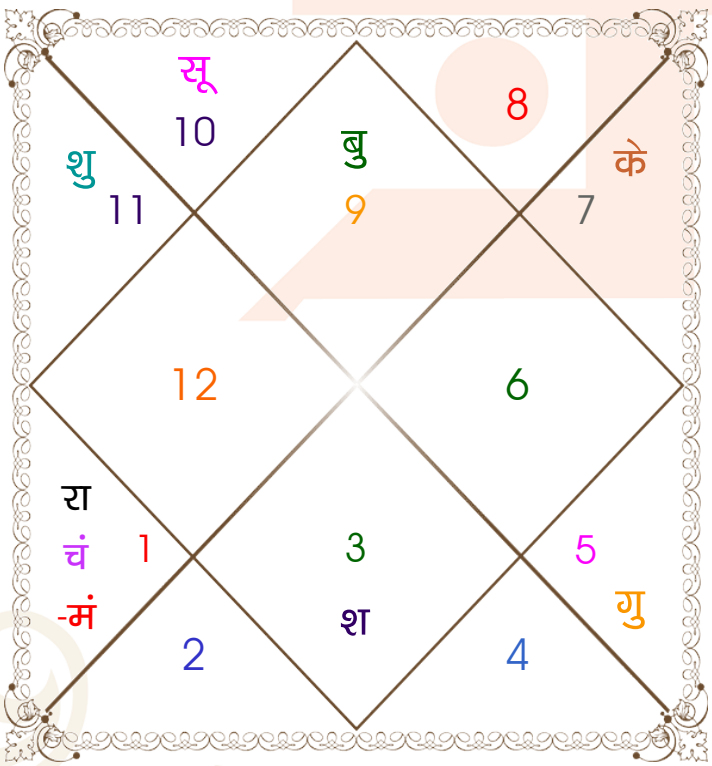

चन्द्र कुंडली

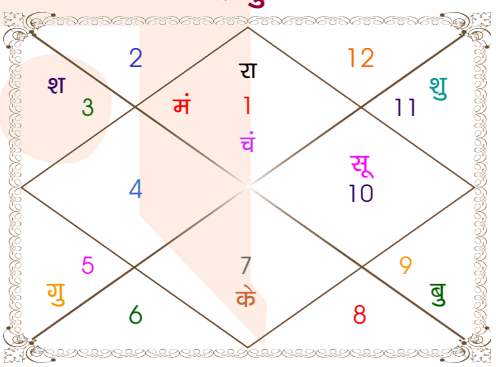

नवमांश कुंडली

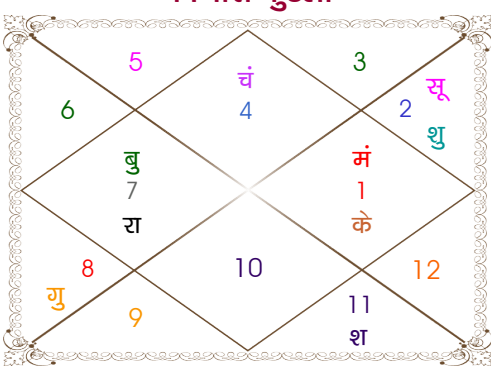

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 0 वर्ष 10 मास 14 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
29/01/2004		12/12/2004		12/12/2024		13/12/2030		12/12/2040	
12/12/2004		12/12/2024		13/12/2030		12/12/2040		13/12/2047	
	00/00/0000	शुक्र	13/04/2008	सूर्य	01/04/2025	चंद्र	13/10/2031	मंगल	11/05/2041
	00/00/0000	सूर्य	13/04/2009	चंद्र	01/10/2025	मंगल	13/05/2032	राहु	29/05/2042
	00/00/0000	चंद्र	13/12/2010	मंगल	05/02/2026	राहु	12/11/2033	गुरु	05/05/2043
	00/00/0000	मंगल	12/02/2012	राहु	31/12/2026	गुरु	14/03/2035	शनि	13/06/2044
	00/00/0000	राहु	12/02/2015	गुरु	19/10/2027	शनि	13/10/2036	बुध	10/06/2045
	00/00/0000	गुरु	13/10/2017	शनि	30/09/2028	बुध	14/03/2038	केतु	06/11/2045
	00/00/0000	शनि	12/12/2020	बुध	07/08/2029	केतु	13/10/2038	शुक्र	06/01/2047
	29/01/2004	बुध	13/10/2023	केतु	13/12/2029	शुक्र	13/06/2040	सूर्य	14/05/2047
बुध	12/12/2004	केतु	12/12/2024	शुक्र	13/12/2030	सूर्य	12/12/2040	चंद्र	13/12/2047

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
13/12/2047		13/12/2065		13/12/2081		13/12/2100		14/12/2117	
13/12/2065		13/12/2081		13/12/2100		14/12/2117		30/01/2124	
राहु	25/08/2050	गुरु	31/01/2068	शनि	15/12/2084	बुध	12/05/2103	केतु	12/05/2118
गुरु	18/01/2053	शनि	13/08/2070	बुध	26/08/2087	केतु	08/05/2104	शुक्र	12/07/2119
शनि	25/11/2055	बुध	18/11/2072	केतु	03/10/2088	शुक्र	09/03/2107	सूर्य	17/11/2119
बुध	13/06/2058	केतु	25/10/2073	शुक्र	04/12/2091	सूर्य	14/01/2108	चंद्र	17/06/2120
केतु	02/07/2059	शुक्र	25/06/2076	सूर्य	15/11/2092	चंद्र	14/06/2109	मंगल	13/11/2120
शुक्र	02/07/2062	सूर्य	13/04/2077	चंद्र	16/06/2094	मंगल	11/06/2110	राहु	02/12/2121
सूर्य	26/05/2063	चंद्र	13/08/2078	मंगल	26/07/2095	राहु	29/12/2112	गुरु	07/11/2122
चंद्र	24/11/2064	मंगल	20/07/2079	राहु	01/06/2098	गुरु	06/04/2115	शनि	17/12/2123
मंगल	13/12/2065	राहु	13/12/2081	गुरु	13/12/2100	शनि	14/12/2117	बुध	30/01/2124

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 0 वर्ष 10 मा 17 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मूल नक्षत्र के चतुर्थपाद से धनु लग्न में हुआ था। धनु लग्नोदय के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल कर्क राशि का नवमांश एवं मेष राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। अपने जन्माकृति एवं जन्म लग्नादि के प्रभाव से आपका जन्म उज्जवल भविष्य का सूचक है। परंतु इस स्वच्छ वातावरण में किञ्जित मात्र कालिमा बिंदु कतिपय अप्रियता की सूचना यह दे रहा है कि यह संभाव्य है कि आपको अपने पिता के साथ सुखदायक क्षणों का अधिक समय तक आनंद प्राप्त न कर सके। तथापि आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ सदैव व्यवहार में न्यूनता रहे तथा आपकी समझ से अपने बच्चों को अच्छा व्यवहार दें। साथ ही आपकी उन्नति धार्मिक आचरण के प्रति दिलचस्पी लेने से होगी। आप अपने जीवन में धर्म एवं दर्शन के प्रति समर्पित होकर उन्नति प्राप्त करें ऐसा संभाव्य है।

वृश्चिक राशीय गुण एवं प्रभाव के अनुसार आपकी धारण अच्छी रहेगी तथा आपका लक्ष्य भी उच्च स्तर का रहेगा। फलस्वरूप आप अपने लक्ष्य को महत्वपूर्ण ढंग से व्यवस्थित कर सकते हैं। परंतु आप अपने मन की अवधारणा को एकाग्रता पूर्वक सुनिश्चित कर लें कि एक समय एक ही कार्य उद्देश्य को अपना कर कार्यान्वित करें। आप अपनी इस प्रकार की अभिलाषा को विचारपूर्वक दमन करें कि एक ही समय पर अन्य कार्य को संपादित नहीं करें। इसके पश्चात मात्र अपनी अभिलाषित परियोजन से ही संतुष्ट होकर पुनः दूसरे कार्य व्यवसाय को प्रारंभ करने की अभिलाषा रखें। आप अपने अभ्युदय हेतु धार्मिक आयोजन की आकांक्षा रखे।

आपकी अंतिम अभिलाषा मानवीय गुणों से युक्त हैं तथा आप पूर्ण रूपेण इस विषय पर चिन्तनशील रहते हैं। आपके पास अत्यंत धन संपति होगा एवं आप सामाजिक लोकप्रियता का आनंद प्राप्त करेंगे तथा अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अपने कार्य कलाप से सफलता प्राप्त करेंगे। आप प्रसन्नतापूर्वक भाग्यशाली होंगे। आप क्रीड़ा एवं खेलकूद के अतिरिक्त बाहरी कार्य व्यवसाय के साथ-साथ भ्रमणशील कार्य क्रम के प्रति भी आपके दिल में अनुराग रहेगा। अर्थात् आप दूर-दूर तक भ्रमण करेंगे। आप अपने मित्र मंडली के विस्तार हेतु भी सक्षम हैं। परंतु तब आपके अनेक प्रतिपक्षी भी उत्पन्न हो जाएगें। क्योंकि आप वर्हिमुखी प्रवृति के प्राणी हैं। आप जनसामान्य के मध्य कुछ बातें हवा में करेंगे। इस प्रकार की विचारधारा की लोग निंदा करेंगे तथा इस विषय की प्रतिक्रिया अन्यों के मन में होगी। आप अपने जीवन में तथ्यपूर्ण विषयों पर विश्वसनीयता बनाए रखें। आप कुछ तथ्यों की प्राप्ति हेतु अपने घर में सदैव सत्य वचन बोलें। तब ही आप सभी लोगों से अपेक्षित रहेंगे तथा बहुत लोग आपके आचरण को स्वीकृत करेंगे सभी लोग आप से ऐसी आकांक्षा रखते हैं तथा आपको पुरस्कार एवं सम्मान देना प्रारंभ कर देंगे। इसलिए आप स्पष्ट रूप से अन्यों के साथ प्रेम प्रसांगिक दिलचस्पी न लें। ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप के जीवन के प्रथम भाग्योन्नति की अवधि आपके जीवन के 27 वें एवं 31 वे वर्ष का समय स्वर्णिम काल प्रमाणित होगा। तब से आपका भाग्य अनुकूलता प्रदान करेगा। इस समयावधि में आप धन-संपति का संचय कर धनी बन जाएंगे तथा इस धन को शीत गृह की तरह संचित कर लिए तो आपके जीवन में कभी धन का अभाव नहीं रहेगा।

आपके स्वाभावानुगत, ज्ञान एवं उत्तेजनात्मक व्यवसायों में उत्तम एवं अनुकूल व्यवसाय जेनरालिज्म, पत्रकारिता, वकालत पेशा, राजनीति धार्मिक संस्थाओं से संबंधित अथवा शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन आपके लिए उत्तम रहेगा।

यदि आप अपने स्वास्थ्य के संबंध में अनुकूलता बरतते रहे तो आप बहुत अधिक आयु तक स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगे। तथापि आपको भविष्य में वायु-रोग, गठिया, कफ, ज्वाइन्ट पेन, रक्तचाप आदि रोग से सतर्क रहना उत्तम होगा।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 5, 3, 6 एवं 8 अंक भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त अंक, 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।